



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 34]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 25, 1983/साघ 5, 1904

No. 34]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 25, 1983/MAGHA 5, 1904

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन में रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
(बैंकिंग प्रभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1983

का. आ. 41(ब).—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, दि बैंक ऑफ राजस्थान लिमिटेड के अन्तर्गत पर 25 जनवरी, 1983 से राजस्थान राज्य में मेवाड़ आंचलिक ग्रामीण बैंक के नाम से एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना करती है जो कि राजस्थान राज्य के उदयपुर जिले की स्थानीय सीमाओं में कार्य करेगा।

[सं. एफ. 1(35)/82-आर.आर.बी. (1)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 24th January, 1983

S.O. 41(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government on being requested

1245 GI/82

so to do by the Bank of Rajasthan Ltd., establishes with effect from the 25th January 1983 a Regional Rural Bank in the State of Rajasthan under the name of Mewar Aanchalik Gramin Bank which shall operate within the local limits of district Udaipur in the State of Rajasthan.

[No. F. 1(35)/82-RRB(1)]

का. आ. 42(ब).—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक तथा मेवाड़ आंचलिक ग्रामीण बैंक के प्रायोजक बैंक ऑफ राजस्थान लिमिटेड से परामर्श करके, उदयपुर को उग्र स्थान के रूप में निर्धारित करती है, जहां पर मेवाड़ आंचलिक ग्रामीण बैंक का मुख्य कार्यालय होगा।

[सं. एफ. 1(35)/82-आर.आर.बी. (2)]

S.O. 42(E).—In pursuance of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government after consultation with the Reserve Bank of India and the Bank of Rajasthan Ltd., by which Mewar Aanchalik Gramin Bank has been sponsored, specifies Udaipur as the place where Mewar Aanchalik Gramin Bank shall have its head office.

[No. F. 1(35)/82-RRB(1)]

(1)

का. आ. 43(अ).—भारतीय रिजर्व बैंक, अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 42 की उपधारा (6) के खण्ड (क) के उपखण्ड (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त उपखण्ड के प्रयोजनों के लिए, मेवाड़ आंचलिक ग्रामीण बैंक, उदयपुर को प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 3 की उपधारा (1) के अंतर्गत स्थापित एक संस्था के रूप में अधिसूचित करती है।

[सं. एफ. 1(35)/82-आर.आर.बी. (3)]
वी. के. दीक्षित, संयुक्त सचिव

S.O. 43(E).—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (a) of sub-section (6) of section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government hereby notifies, for the purpose of the said sub-clause, Mewar Aanchalik Gramin Bank, Udaipur being an institution established under sub-section (1) of section 3 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).

[No. F.1(35)/82-RRB(III)]
V. K. DIKSHIT, It. Secy

का. आ. 44(अ).—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री तेज करण गुप्ता को मेवाड़ आंचलिक ग्रामीण बैंक, उदयपुर का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 25-1-1983 से प्रारम्भ होकर 31-1-1986 की समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री तेज करण गुप्ता अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[सं. एफ. 1(35)/82-आर.आर.बी. (4)]
राम बेहरा, अवर सचिव

S.O. 44(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Tej Karan Gupta as Chairman of the Mewar Aanchalik Gramin Bank, Udaipur and specifies the period commencing

on the 25-1-1983 and ending with the 31-1-1986 as the period for which the said Shri Tej Karan Gupta shall hold office as such Chairman

[No. F. 1(35)/82-RRB(IV)]
RAAM BEHRA, Under Secy.

भारतीय रिजर्व बैंक
(ग्रामीण आयोजना तथा ऋण कक्ष)

अधिसूचना

बम्बई, 25 जनवरी, 1983

का. आ. 45(अ).—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 42 की उपधारा (6) के खण्ड (क) के अनुसरण में, भारतीय रिजर्व बैंक एतद्वारा निदेश देता है कि उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में निम्नलिखित बैंक को समाविष्ट किया जाये, अर्थात्—

“मेवाड़ आंचलिक ग्रामीण बैंक, उदयपुर (राजस्थान)”

[आर.पी.सी.डी. सं. 252/आई.एन.सी.एल. 311-83]
एच. बी. शिवमग्गी, कार्यपालक निदेशक

RESERVE BANK OF INDIA
(Rural Planning and Credit Department)

* NOTIFICATION

Bombay, the 25th January, 1983

S.O. 45(E).—In pursuance of clause (a) of sub-section (6) of section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) the Reserve Bank of India hereby directs the inclusion in the Second Schedule to the said Act of the following bank, namely :—

“Mewar Aanchalik Gramin Bank, Udaipur (Rajasthan)”

[RPCD. No. 252/INCL/311-83]
H. B. SHIVAMAGGI, Executive Director